Management Training of Bihar Police Service Probationers inaugurated at CIMP

AGENCIES

PATNA: 16-Days' Management Training of Probationary DSPs (63rd batch) and District Commandants (60th-62nd batch) was inaugurated today in Chandragupt Institute of Management Patna by Director General of Police, Shri S.K. Singhal. Shri Brighu Srinivasan, AGD-cum-Director, Bihar Police Academy, Rajgir was theGuest of Honour at the event.Shri Singhal, a gold medallist in mathematics and a management professional from MDI Gurgaon, in his inaugural address exhorted the probationers to be a keen learner throughout their life and be a 'change agent' in wherever they go. Dwelling upon in his practical insights on several key management concepts, from Kaizen to Organizational Behaviour and Communication to Level-5 Leadership, he urged the probationers to inculcate humility. A former Indian Forest Service Officer, Mr.Singhal, also could not conceal his pain after being presented a red rose to greet himand said that plucking a flower amounts to the extent of flouricide or the killing of flowers.ThankingCIMP Director,Dr. V. Mukunda Das for creatingthis wonderful monument of knowledge called CIMP, the DGP exhorted the Probationers to make optimum utilization of their time and intellectual resources here in their knowledge enhancement as CIMP is one of the best institutesin the country. Bihar Police Academy Director,Shri Brighu Srinivasan, in his address called the probationers as "ambassador" of the police department and asked themto behave 'responsibly' and enhance their knowledge,leveraging the pool of good faculty members and a very rich library here.

CIMP Director Dr. V. Mukunda Das in his welcome address stressed the need for a change in the police-public interface.He called upon the probationers to be more 'humane' and 'people friendly'and adopta doubly creative approach to outsmart the lawbreakers, as all lawbreakers are invariably very creative.

Creative Thinker-Writer-Graphologist Dr. Prasad Sundararajan in his addressasked the probationers to always keep in mind that it is beyond normal interpretation from the existential point of view to understand what makes someone a criminal and the other one a police officer or a teacher.Thereforethey should always keep that concern in mind while dealing with even the most deadly criminals.Dr.Sundararajan further urged the probationers to live up to this "privilege" and discharge their duties "responsibly". He asked the probationers to inculcate the habit of reading which will not only enhance their intellectual capability but also inspire and imbibe the next generation, their children, for learning and intellectual cultivation.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:05-09-2021

जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बने : डीजीपी

■ सीआईएमपी में बिहार पुलिस सेवा के परिवीक्षाधीनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन

पटना/संवाददाता। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल ने परिवीक्षाधीन डीएसपी (63वें बैच) और जिला कमांडेंट (60वें-62वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन किया। एजीडी-सह-निदेशक ब्रिघू श्रीनिवासन इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। श्री सिंघल ने अपने उद्घाटन भाषण में परिवीक्षार्थियों को अपने पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनने और वे जहां भी जाते हैं एक 'परिवर्तन एजेंट' बनने का आह्वान किया। काइजन से लेकर संगठनात्मक व्यवहार और संचार से लेकर लेवल-5 लीडरशिप तक, कई प्रमुख प्रबंधन अवधारणाओं पर अपनी व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने परिवीक्षार्थियों से विनम्रता विकसित करने का आग्रह किया। सीआईएमपी नामक ज्ञान के इस अद्भुत स्मारक को बनाने के लिए सीआईएमपी निदेशक डॉ वी मुकुंद दास को धन्यवाद देते हुए डीजीपी ने प्रोबेशनरों को अपने ज्ञान वृद्धि में अपने समय और बौद्धिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि सीआईएमपी देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है। बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक ब्रिघू श्रीनिवासन ने अपने संबोधन में परिवीक्षार्थियों को पुलिस विभाग का राजदूत कहा और उनसे 'जिम्मेदारी से' व्यवहार करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए कहा अच्छे संकाय सदस्यों के पूल और यहां एक बहुत समृद्ध पुस्तकालय का लाभ उठाने के लिए कहा। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने अपने स्वागत भाषण में पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया।

Sunmarg ! Page.No-03 ! Dated:05-09-2021

पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनें

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में पुलिस महानिदेशक एस.के. सिंघल द्वारा परिवीक्षाधीन डीएसपी (63वें बैच) और जिला कमांडेंट (60वें-62वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन शनिवार को किया गया। ब्रिघू श्रीनिवासन, एजीडी-सह-निदेशक, बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे। श्री सिंघल, गणित में स्वर्ण पदक विजेता और एमडीआई गुड़गांव के एक प्रबंधन पेशेवर ने अपने उद्घाटन भाषण में परिवीक्षार्थियों को अपने पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनने और वे जहां भी जाते हैं एक %परिवर्तन एजेंट% बनने का आह्वान किया।

काइज़न से लेकर संगठनात्मक व्यवहार और संचार से लेकर लेवल -5 लीडरशिप तक, कई प्रमुख प्रबंधन अवधारणाओं पर अपनी व्यावहारिक अंतर्दृष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए, उन्होंने परिवीक्षार्थियों से विनम्रता विकसित करने का आग्रह किया। एक पूर्व भारतीय वन सेवा अधिकारी, श्री सिंघल, उन्हें बधाई देने के लिए लाल गुलाब भेंट करने के बाद अपना दर्द छुपा नहीं सके और कहा कि फूल तोड़ने या फूलों की हत्या के बराबर है। सीआईएमपी नामक ज्ञान के इस अद्भुत स्मारक को बनाने के लिए सीआईएमपी निदेशक, डॉ वी मुकुंद दास को धन्यवाद देते हुए, डीजीपी ने प्रोबेशनरों को अपने ज्ञान वृद्धिं में अपने समय और बौद्धिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि सीआईएमपी देश के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है। बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक, श्री ब्रिघू श्रीनिवासन ने अपने संबोधन में परिवीक्षार्थियों को पुलिस विभाग का राजदूत कहा और उनसे जिम्मेदारी से व्यवहार करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए कहा, अच्छे संकाय सदस्यों के पूल और यहां एक बहुत समृद्ध पुस्तकालय का लाभ उठाने के लिए कहा। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने अपने स्वागत भाषण में पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलॉजिस्ट डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने अपने संबोधन में परिवीक्षार्थियों को हमेशा यह ध्यान रखने के लिए कहा कि अस्तित्व के दृष्टिकोण से यह समझना सामान्य व्याख्या से परे है कि क्या किसी को अपराधी और दूसरे को पुलिस अधिकारी या शिक्षक बनाता है। इसलिए उन्हें सबसे घातक अपराधियों के साथ व्यवहार करते समय हमेशा उस चिंता को ध्यान में रखना चाहिए। डॉ. सुंदरराजन ने आगे परिवीक्षाधीनों से इस विशेषाधिकार को जीने और जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया। उन्होंने परिवीक्षार्थियों को पढ़ने की आदत डालने के लिए कहा जो न केवल उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि अगली पीढ़ी, उनके बच्चों को सीखने और बौद्धिक खेती के लिए प्रेरित और आत्मसात करेगा।

AAJ ! Page.No-01 ! Dated:05-09-2021

परिवीक्षाधीन डीएसपी, 63वें बैच के प्रशिक्षण का उद्घाटन

अपने पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनें परिवीक्षार्थीः सिंघल

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में शनिवार को पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल द्वारा परिवीक्षाधीन डीएसपी, 63वें बैच और जिला कमांडेंट (60वें-62वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एजीडी-सह-निदेशक, बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर ब्रिघू श्रीनिवासन थे। सिंघल ने परिवीक्षार्थियों को अपने पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनने को कहा। जहां भी जाए एक 'परिवर्तन एजेंट' बनने का आह्वान किया। उन्होंने परिवीक्षार्थियों से विनम्रता विकसित करने का आग्रह किया। बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक ब्रिघू श्रीनिवासन ने अपने संबोधन में परिवीक्षार्थियों को पुलिस विभाग का राजदूत कहा और उनसे 'जिम्मेदारी से' व्यवहार करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए कहा, अच्छे संकाय सदस्यों के पूल और यहां एक बहुत समृद्ध पुस्तकालय का लाभ उठाने के लिए कहा। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने अपने स्वागत भाषण में पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया।

Dainik Bhaskar ! Page.No-09
Dated:05-09-2021

सीआइएमपी में पुलिस सेवा के डीएसपी का प्रशिक्षण आरंभ

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट (सीआइएमपी) में बिहार पुलिस सेवा के डीएसपी 63वीं बैच, जिला कमांडेट 60-62वीं बैच के अधिकारियों के 16 दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ डीजीपी एसके सिंघल ने किया। बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक सह एडीजी भृगु श्रीनिवासन बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

डीजीपी ने सभी को परिवर्तन का वाहक बनने का संदेश दिया। सीआइएमपी निदेशक डा. वी मुकुंद दास ने ज्ञान वृद्धि में अपने समय और बौद्धिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलॉजिस्ट डा. प्रसाद सुंदरराजन ने परिवीक्षार्थियों को पढ़ने की आदत डालने को कहा कि यह उनकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि अगली पीढ़ी, उनके बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित और आत्मसात करेगा।

Dainik Jagran ! Dated:07 !
Dated:05-09-2021

प्रशिक्षु अधिकारी उत्सुक शिक्षार्थी जैसा सीखें, परिवर्तन एजेंट बनें : सिंघल

पटना | मुख्य संवाददाता

सीआईएमपी पटना में पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल ने प्रोबेशनल डीएसपी (63वें बैच) और जिला कमांडेंट (60वें-62वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन शनिवार को किया। डीजीपी ने कहा कि इस प्रोबेशन काल में एक उत्सुक शिक्षार्थी की तरह सीखें और एक परिवर्तन एजेंट की तरह काम करें।

डीजीपी ने सीआईएमपी को ज्ञान के एक केंद्र के रूप में विकसित करने पर सीआईएमपी निदेशक डॉ. वी. मुकुंददास को साधुवाद दिया। इस मौके पर बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक ब्रिघू श्रीनिवासन ने प्रशिक्षुओं को पुलिस विभाग का राजदूत कहा और उन्हें जिम्मेदारी से व्यवहार करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए कहा। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलॉजिस्ट डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने जिम्मेदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का आग्रह किया।

सीआईएमपी में आयोजित ट्रेनिंग के दौरान शनिवार को शामिल प्रशिक्षु व अन्य।

Hindustan (Hindi) ! Page.No-04 ! Dated:05-09-2021

सीआइएमपी में प्रबंधन प्रशिक्षण का किया गया उद्घाटन

प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन करते पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल व अन्य.

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना में पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल ने परिवीक्षाधीन डीएसपी (63वें बैच) और जिला कमांडेंट (60वें-62वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन शनिवार को किया. बिहार पुलिस अकादमी राजगीर के एजीडी-सह-निदेशक ब्रिघू श्रीनिवासन इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि थे. उन्होंने अपने संबोधन में परिवीक्षार्थियों को पुलिस विभाग का राजदूत कहा. सीआइएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव पर बल दिया.

Prabhat Khabar ! Page.No-05
Dated:05-09-2021

परिवीक्षार्थी जीवन में उत्सुक शिक्षार्थी बनें : एसके सिंघल

पटना (एसएनबी) । चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआईएमपी) में पुलिस महानिदेशक एसके सिंघल ने परिवीक्षाधीन डीएसपी (63 वें बैच) और जिला कमांडेंट (60 वें-62 वें बैच) के लिए 16 दिनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन किया । भृगु श्रीनिवासन, एडीजी-सह-निदेशक, बिहार पुलिस अकादमी विशिष्ट अतिथि थे। श्री सिंघल ने अपने उद्घाटन भाषण में परिवीक्षार्थियों को अपने पूरे जीवन में एक उत्सुक शिक्षार्थी बनने का आह्वान किया। काइजन से लेकर संगठनात्मक व्यवहार और संचार से लेकर लेवल -5 लीडरशिप तक, कई प्रमुख प्रबंधन अवधारणाओं पर अपनी व्यावहारिक अंतरदृष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए उन्होंने परिवीक्षार्थियों से विनम्रता विकसित करने का आग्रह किया। श्री सिंघल उन्हें बधाई देने के लिए लाल गुलाब भेंट करने के बाद अपना दर्द छुपा नहीं सके और कहा कि फूल तोड़ने या फूलों की हत्या के बराबर है। सीआईएमपी नामक ज्ञान के इस अद्भुत स्मारक को बनाने के लिए सीआईएमपी निदेशक डॉ वी मुकुंद दास को धन्यवाद देते हुए डीजीपी ने प्रोबेशनरों को अपने ज्ञान की वृद्धि में अपने समय और बौद्धिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। बिहार पुलिस अकादमी के निदेशक भृगु श्रीनिवासन ने परिवीक्षार्थियों को पुलिस विभाग का राजदूत कहा और उनसे जिम्मेदारी से व्यवहार करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए कहा।

- **सीआईएमपी में बिहार पुलिस सेवा परिवीक्षाधीनों के प्रबंधन प्रशिक्षण का उद्घाटन**

सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने अपने स्वागत भाषण में पुलिस-सार्वजनिक इंटरफेस में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने परिवीक्षार्थियों से अधिक मानवीय और लोगों के अनुकूल होने का आह्वान किया और कानून तोड़ने वालों को मात देने के लिए दोगुना रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने को कहा, क्योंकि सभी कानून तोड़ने वाले हमेशा बहुत रचनात्मक होते हैं। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलजिस्ट डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने परिवीक्षार्थियों को हमेशा यह ध्यान रखने के लिए कहा कि अस्तित्व के दृष्टिकोण से यह समझना सामान्य व्याख्या से परे है कि क्या किसी को अपराधी और दूसरे को पुलिस अधिकारी या शिक्षक बनाता है। इसलिए उन्हें सबसे घातक अपराधियों के साथ व्यवहार करते समय हमेशा उस चिंता को ध्यान में रखना चाहिए।

Rastriya Sahara ! Page.No-03
Dated:05-09-2021